गरिमा 4

1. भाषा और व्याकरण

अपने मन के भावों और विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए जो माध्यम प्रयोग किया जाता है, वह भाषा कहलाता है। कभी-कभी संकेतों के द्‌वारा भी अपनी बात प्रकट की जाती है परंतु यह भाषा नहीं है क्योंकि इस प्रकार संपूर्ण बात नहीं बताई जा सकती। व्याकरण भाषा के शुद्‌ध रूप का परिचायक है। व्याकरण के पूर्ण ज्ञान के अभाव में भाषा में कई प्रकार की अशुद्‌धियाँ आ जाती हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से पूछें, वे अपनी बात किस तरह से दूसरों तक पहुँचाते हैं। बच्चों के जवाब भिन्न-भिन्न होंगे, जैसे– बोलकर या बातचीत करके, लिखकर, कोई बच्चा बोलेगा एस॰एम॰एस॰ द्‌वारा या पत्र लिखकर आदि। आप बच्चों को बताएँ, यही तो भाषा है। अपनी बात को जिस भी माध्यम द्‌वारा हम दूसरों तक पहुँचाते हैं, वह माध्यम ही भाषा होती है।
- ❖ पाठ पृष्ठ 3 पर दिए चित्र को दिखाकर बच्चों को चित्र को समझने का समय दें और फिर पूछें, चित्र में क्या बताया जा रहा है।
- ❖ समझाएँ, चित्र में बोलकर, सुनकर लिखे हुए को पढ़कर बात समझी-समझाई जा रही है।
- ❖ भाषा की परिभाषा बताएँ।
- ❖ बताएँ, बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना ही भाषा का आधार है। भाषा के मौखिक तथा लिखित रूपों के बारे में समझाते हुए कुछ उदाहरण दें, जैसे– गाना गाना, बातचीत करना, पुस्तक पढ़ना-लिखना, कंप्यूटर पर काम करना आदि। फिर बच्चों से ही पूछें, ये भाषा का कौन-सा रूप हैं।
- ❖ पूछें, वे घर में कौन-सी भाषा में बात करते हैं। यदि कोई छात्र-छात्रा बंगाली होगा तो वह उत्तर देगा कि वह घर में बाँग्ला बोलता है, अगर कोई पंजाबी होगा तो वह पंजाबी भाषा बोलेगा आदि बातचीत द्‌वारा बच्चों को समझाएँ कि बच्चा जो भाषा अपने घर-परिवार में बोलना सीखता है वही उसकी मातृभाषा होती है।
- ❖ समझाएँ, हिंदी भारत के अधिकतर क्षेत्रों में बोली, पढ़ी तथा लिखी जाती है इसलिए हिंदी भारत की राजभाषा कहलाती है।

- ❖ भारत के अन्य क्षेत्रों की भाषाओं से अवगत कराएँ।
- ❖ बच्चों पर ध्यान बनाए रखें। बीच-बीच में पूछते रहें कि वे पाठ समझ पा रहे हैं या नहीं। यदि कोई मुश्किल हो तो दोबारा समझाएँ।
- ❖ लिपि के बारे में समझाते हुए बताएँ, बोली हुई बात को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वे चिह्न ही उस भाषा की लिपि कहलाते हैं।
- ❖ बताएँ, हिंदी की लिपि देवनागरी है, जिसके लिपि चिह्न अ, आ, क, च, प, स, ह आदि संपूर्ण वर्णमाला है। अन्य भाषाओं की लिपियों के बारे में भी बताएँ।
- ❖ बच्चों को समझाएँ, भाषा के प्रयोग में कोई गलती न हो इसके लिए भाषा के व्याकरण को जानना बहुत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा वर्णों, शब्दों तथा वाक्यों को शुद्ध बोलना, पढ़ना, लिखना तथा समझा जाता है।
- ❖ 'आपने सीखा' के अंतर्गत दिए पाठ के मुख्य बिंदुओं की दोहराई करवाएँ।
- ❖ सुनिश्चित कर लें कि बच्चे आपकी बात समझ पा रहे हैं।
- ❖ मौखिक प्रश्नों के उत्तर बच्चों से पूछें।
- ❖ पाठ के अभ्यास बच्चों से ही करवाए जाएँ। यदि बच्चों को कुछ समझ न आए तो आप यथोचित सहायता करें।